## पद २७४

(राग: झिंजोटी - ताल: धुमाळी)

मैं वारूं सैंय्या तोहे परसे ।।ध्रु.।। तोरा मुख देखन आई रे कन्हैय्या। दौरत दौरत पियाघरसे ।।१।। सांवरी सूरत रसभर अखियाँ। लेऊं बलैय्या दो करसे ।।२।। मानिकके प्रभु ये नंदलाला। दरसन बिन जियारा तरसे ।।३।।